75 लाख की कलम ने किया आकर्षित

प्रगति मैदान में लगे दिल्ली पुस्तक मेले में हॉल नम्बर 12 ए के स्टॉल नम्बर 14 पर विस्कांडा कंपनी द्वारा निर्मित 75 लाख की कलम आकर्षण का केंद्र रही। वाइट प्लेटेड गोल्डन में हीरों से जड़ी यह कलम को देखकर लोग हैरान हैं। स्टॉल विक्रेता के अनुसार विश्वभर में इस प्रकार की कलमों की संख्या 39 है। यह 23 कैरेट प्लैटिनम से बनी है। जिनमें से एक कलम अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा के पास है। कलम की एक झलक देखने के लिए लोग स्टॉल पर भीड़ उमड़ पड़ी। स्टॉल पर इसके अलावा 1200 से लेकर 75 लाख के कलम प्रदर्शित किए गए हैं।

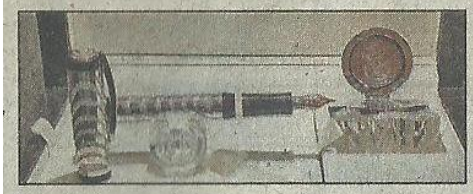

दिल्ली पुस्तक मेले में 75 लाख का पेन जो लोगों के आर्कषण का केंद्र बना। जागरण

पहले ऑन लाइन सब्सक्राइब कर रजिस्ट्रेशन करना होगा। जिसके बाद उन्हें एक पासवर्ड मिलेगा। फिर पाठक कहीं भी किसी भी स्थान पर ई-बुक का इस्तेमाल कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि एक समय में 1000 से अधिक उपभोक्ता एक साथ इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्रतिदिन करीब एक लाख से अधिक लोग वेब पोर्टल के जरिए पढ़ते हैं। इसके अलावा उन्होंने यह भी जानकारी दी कि ई-बुक के माध्यम से पुस्तकों को पढ़ना बेहद आसान हो जाता है। फिर चाहे वो किसी प्रकार के रिसर्च के लिए ही क्यों न हो। वहीं सैकड़ों पृष्ठ वाली पुस्तकों के प्रत्येक पेज के गहन अध्ययन में सुविधा होती है।

छुट्टी के दिन उमड़ी पुस्तक मेले में भीड़

- ई-बुक्स थी मेले के दूसरे दिन की थीम, 235 प्रकाशकों के लगे स्टॉल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : प्रगति मैदान में आयोजित 18वें दिल्ली पुस्तक मेले में दूसरे दिन दर्शकों की भीड़ उमड़ी। टिकटों के साथ लंबी कतार में खड़े लोग अपनी बारी के इंतजार में थे। रविवार लोगों ने पुस्तक मेले के साथ गुजारा व खूब खरीददारी की। 18 भाषाओं की पुस्तकों की किताबों सहित यहां 235 प्रकाशकों की पुस्तकों के स्टॉल हैं। रविवार को मेले की थीम ई-बुक्स पर पूरा फोकस रहा। लोग जहां ई-बुक्स के बारे में जानने के उत्सुक दिखे वहीं ई-बुक्स के बारे में जानने वालों ने नई-नई तकनीक की जानकारी ली। पुस्तक मेले के साथ ही 14 वें स्टेशनरी मेले में भी लोगों ने जम कर शिरकत की व लेखन संबंधी अन्य सहायक वस्तुओं की खरीददारी की।

पुस्तक मेले में नए वेब पोर्टल डिजाइन के लांच के साथ-साथ कई अन्य पोर्टलों ने यहां अपने स्टॉल लगाए व ऑनलाइन बुक रीडिंग के बारे में लोगों को अवगत कराया। जिसमें रीड वेयर डॉट कॉम, मेरिट नेशन डॉट कॉम, हुक्ड ऑन बुक जैसे कई वेब पोर्टल के स्टॉल लगाए गए हैं। ए टू जेड टीचिंग एंड लर्निंग के उपाध्यक्ष सुबोध गुप्ता ने बताया कि वेब पोर्टल पर उपलब्ध ई-बुक पाठकों के लिए बेहद सुविधाजनक हैं। इन पर अलग-अलग विषयों की 20 लाख से अधिक प्रकार की पुस्तकें मौजूद हैं। इनका लाभ उठाने के लिए सबसे

प्रगति मैदान में दिल्ली पुस्तक मेले में पुस्तकों का अवलोकन करते पुस्तक प्रेमी। ध्रुव कुमार

दिल्ली पुस्तक मेले में 75 लाख का पेन जो लोगों के आर्कषण का केंद्र बना। जागरण

पहले ऑन लाइन सब्सक्राइब कर रजिस्ट्रेशन करना होगा। जिसके बाद उन्हें एक पासवर्ड मिलेगा। फिर पाठक कहीं भी किसी भी स्थान पर ई-बुक का इस्तेमाल कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि एक समय में 1000 से अधिक उपभोक्ता एक साथ इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्रतिदिन करीब एक लाख से अधिक लोग वेब पोर्टल के जरिए पढ़ते हैं। इसके अलावा उन्होंने यह भी जानकारी दी कि ई-बुक के माध्यम से पुस्तकों को पढ़ना बेहद आसान हो जाता है। फिर चाहे वो किसी प्रकार के रिसर्च के लिए ही क्यों न हो। वहीं सैकड़ों पृष्ठ वाली पुस्तकों के प्रत्येक पेज के गहन अध्ययन में सुविधा होती है।